Natural Gas Resource in North-East

405. SHRI DRUPAD BORGOHAIN: Will the Minister of PETROLEUM AND NATURAL GAS be pleased to state:

(a) what is the quantity of Natural Gas explored by ONGC and OIL in Assam and other States of North-east;

(b) how much of this explored gas is utilised and in what way;

(c) what is the quantity of reserve and unused natural gas in this region;

(d) whether natural gas is burning in oilfield of this region;

(e) whether Government have explored any new natural gas field in Assam and other States of North-east; and

(f) if so, what is expected amount?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS (SHRI SANTOSH KUMAR GANGWAR): (a) A *total of* 341.2 billion cubic meters of inplace reserves of natural gas have been established.

(b) Oil India Limited is producing about 4.50 MMSCMD of natural gas from its fields in Assam and Arunanchal Pradesh, out of which 3.00 MMSCMD of gas is being supplied to consumers like HFCL, Namrup, ASEB, Namrup, IOC (AOD), Digboi, Assam Petrochemicals Limited, Namrup, NEEPCO, Kathalguri and tea gardens. 1.05 MMSCMD of gas is being utilised by OIL for its internal use.

ONGC is porducing 2.29 MMSCMD of gas in the State of Assam and Tripura of which 1.58 MMSCMD of gas is being supplied through Gas Authority of India to power plants, fertiliser plant and tea estates in the area. 0.33 MMSCMD of gas is being utilised in the State of Assam for the ONGC's internal consumption.

(c) Balance Recoverable Reserves of gas in the region are estimated at 137.89 Billion Cubic Meters.

(d) A very small quantity of about 0.83 MMSCMD of gas is being flared mainly due to remote location of wells, availability at low pressure in small quantities and also due to less than committed upliftment by consumers etc.

(e) No, Sir.

(f) Does not arise.

नकली मिनी गैस सिलिंडरों की बिक्री

406. **श्रीमती सरोज दुबे:** क्या पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि निर्धन लोगों को मिनी सिलिंडरों में गैस प्रदान करने की योजना के समानान्तर नकली मिनी गैस सिलिंडरों की बिक्री का धंधा सरेआम चल रहा है जिसके कारण छोटी बस्तियों में रहने वाले लोग ठगे जा रहे हैं;

(ख) यदि हां, तो इस व्यवसाय को रोकने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए जा रहे हैं; और

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

पेरोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री संतोष कुमार गंगवार): (क) से (ग) सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम तेल कंपनियों के लिए एल०पी०जी० सिलेन्डरों का निर्माण कर रही अवैध इकाईयों के बारे में किसी मामले की रिपोर्ट नहीं मिली है। समानान्तर विपणन के लिए सिलेन्डरों के निर्माण पर कोई रोक नहीं है तथा ऐसा निर्माण करने के लिए अपेक्षित मशीनें, सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम तेल कंपनियों द्वारा विपणन किए जाने वाले 14.2 कि०ग्रा० के सिलेन्डरों के निर्माण करने वाली मशीनों जैसी ही हैं।

तथापि, कुछ लघु उद्योग इकाइयों द्वारा मेरठ में छोटे एल०पी०जी० सिलेन्डरों के अवैध निर्माण से संबंधित मामले, जो कि उद्योग निदेशालय मेरठ के पास पंजीकृत हैं, जानकारी में आए हैं। मुख्य नियंत्रक, विस्फोटक, भारतीय मानक ब्यूरो तथा उत्तर प्रदेश के राज्य सरकार प्राधिकारियों एवं राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली से अवैध एल०पी०जी० सिलेन्डरों के निर्माण के विरुद्ध प्रासंगिक कानूनों के तहत कार्रवाई करने के लिए अनुरोध किया गया था। बी०आई०एस० तथा सी०सी०ओ०ई० के विनिर्देशों को पूरा कर रहे छोटे सिलेन्डर उपयोग में लाए जा सकते हैं। इसलिए ऐसे मामलों में रोक व्यवहार्य नहीं है।